मुख्य विकास अधिकारी/जिलाधिकारी महोदय

जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अन्तर्गत चल रहे कार्यों के सम्बन्ध में दिनांक 08.02.2024 को आयोजित समीक्षा बैठक में निम्नानुसार निर्देश दिये गये।

1– बैठक में उपस्थित अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद मऊ में मेसर्स एल.सी.इन्फ्रा, मेसर्स जी0ए0विश्वनाथ, मेसर्स के0एल0एस0आर0 कुल 03 कार्यदायी संस्थाओं द्वारा जल जीवन मिशन से सम्बन्धित "हर घर जल" परियोजनाओं पर निर्माण कार्य किया जा रहा है। जनपद मऊ में कुल 658 ग्राम पंचायतों में 1452 राजस्व ग्राम है। जल निगम की पूर्व की परियोजनाओं को छोड़कर 590 ग्राम पंचायतों के 1318 राजस्व ग्रामों में जल जीवन मिशन के अन्तर्गत कुल 532 पेयजल परियोजनाओं पर कार्य किये जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है। 02 वर्ष पूर्व कार्यदायी संस्था मेसर्स एल0सी0इन्फ्रा को फेज–।। में 219 पेयजल परियोजनाएं आवंटित की गयीं। कार्यदायी संस्था मेसर्स जी0ए0 विश्वनाथ को फेज–5 में 200 पेयजल परियोजनाएं तथा मेसर्स के0एल0एस0आर को फेज–5 में 113 पेयजल परियोजनाएं आवंटित की गई हैं। तीनों कार्यदायी संस्थाओं को मिलाकर कुल 532 पेयजल परियोजनाओं में 590 ग्राम पंचायतों की डीपीआर राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन द्वारा स्वीकृत हो चुकी हैं। 532 में 522 पेयजल परियोजनाओं पर कार्य प्रारम्भ होना बताया गया। कार्यदायी संस्थाओं की पृथक–पृथक समीक्षा की गयी।

2– बैठक में कार्यदायी संस्था मेसर्स एल0सी0इन्फ्रा के प्रतिनिधि उपस्थित थे। कार्यदायी संस्था द्वारा 02 वर्ष पूर्व फेज–।। में कार्य प्रारम्भ किया गया था। संस्था को 219 पेयजल परियोजनाओं में 251 ट्यूबवेल पूर्ण करना था, जिसमें से 242 पर कार्य प्रारम्भ किया गया, 242 में से 223 ट्यूबवेल पूर्ण है, 251 पम्प हाउस में 211 पर कार्य प्रारम्भ किया गया, जिसमें से 113 पूर्ण है, 138 पम्प हाउस पूर्ण नहीं हो पाये हैं। शिरोपरि जलाशय के निर्माण में 225 के सापेक्ष कार्य प्रारम्भ होना तथा 11 शिरोपरि जलाशय पूर्ण होना दर्शाया गया है। 02 वर्ष बाद तक पेयजल परियोजना पर कार्य प्रारम्भ न करना अत्यन्त आपत्तिजनक है। पाईप लाईन वितरण में 2963 किमी0 के सापेक्ष 2180 किमी0 पाईप लाईन का डिस्ट्रीब्यूशन किया गया। हर घर जल स्टेट्स की समीक्षा करने पर संस्था द्वारा 96948 के सापेक्ष 85188 की पूर्ति की गई है। कार्यदायी संस्था द्वारा द्वितीय फेज में 02 वर्ष पूर्व कार्य प्रारम्भ करने के बावजूद भी शिरोपरि जलाशयों की प्रगति संतोषजनक नहीं है। अधिशासी अभियन्ता द्वारा अवगत कराया गया है कि सर्वप्रथम संस्था को 84 पेयजल परियोजना स्वीकृत की गई थी, इन सभी 84 पेयजल परियोजनाओं के कार्य पूर्ण हो जाना चाहिए था। बैठक में उपस्थिति संस्था के प्रतिनिधि द्वारा मैनपावर आदि के कारण कार्य पूर्ण न होना बताया गया। संस्था को सचेत करते हुए निर्देशित किया गया कि माह– फरवरी, 2024 के अन्त तक सभी पेयजल परियोजनाओं का कार्य पूर्ण करना सुनिश्चित करें। अधिशासी अभियन्ता द्वारा अवगत कराया गया कि सी0सी0 रोड एवं बिटुमिन रोड पर पाईप लाईन डालने हेतु एचडीडी मशीन द्वारा पाईप लाईन डालने हेतु राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन द्वारा निर्देश प्राप्त हुए हैं।

Scanned with OKEN Scanner

3– बैठक में कार्यदायी संस्था मेसर्स जीए विश्वनाथ के प्रतिनिधि उपस्थित थे। कार्यदायी संस्था द्वारा लगभग 15 माह पूर्व कार्य प्रारम्भ किया गया है। संस्था को 200 पेयजल परियोजनाओं में 208 ट्यूबवेल तथा 208 पम्प हाउस पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित है, जिसमें 208 के सापेक्ष 204 ट्यूबवेल पर कार्य प्रारम्भ किये गये हैं, 204 में से 188 ट्यूबवेल पूर्ण हो गये हैं तथा 208 के सापेक्ष 176 पम्प हाउस पर कार्य प्रारम्भ किया गया है, जिसमें से 169 पम्प हाउस पूर्ण हो गये हैं। संस्था को 199 शिरोपरि जलाशय का निर्माण करने का लक्ष्य निर्धारित है, जिसमें से 186 पर कार्य प्रारम्भ किया गया है। पाईप लाईन के डिस्ट्रीब्यूशन में 3435 किमी0 पाईप लाईन का कार्य निर्धारित है, जिसके सापेक्ष 1888 किमी0 पाईप लाईन का डिस्ट्रीब्यूशन हो गया है। हर घर नल कनेक्शन में 84177 का लक्ष्य निर्धारित है, संस्था द्वारा 44192 एफएचटीसी 52.05 प्रतिशत लक्ष्य की पूर्ति की गयी है। इस सम्बन्ध में अधिशासी अभियन्ता द्वारा अवगत कराया गया कि संस्था ने फेज–5 में 01 वर्ष से कार्य प्रारम्भ किया है, अवशेष कार्यो को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये। निर्धारित अवधि में लक्ष्य पूर्ण करने के लिए मैनपावर को बढ़ाना आवश्यक है, संस्था को तत्काल मैनपावर बढ़ाने हेतु निर्देश दिये गये।

4– बैठक में कार्यदायी संस्था मेसर्स के0एल0एस0आर के प्रतिनिधि उपस्थित थे। कार्यदायी संस्था ने फेज–5 में नवम्बर 2022 से कार्य प्रारम्भ किया है, 113 पेयजल परियोजनाओं पर कार्य किये जाने की स्वीकृति प्रदान की गयी है, 113 परियोजनाओं में 115 ट्यूबवेल के सापेक्ष मात्र 92 ट्यूबवेल पर कार्य प्रारम्भ किया गया है, 115 पम्पहाउस के सापेक्ष मात्र 62 पम्पहाउस पर कार्य प्रारम्भ किया गया है, जिसमें से 29 पूर्ण है, 86 पम्पहाउस अपूर्ण है, 53 पम्पहाउस ऐसे हैं जिनपर कार्य ही प्रारम्भ नही किया गया है, यह आपत्ति जनक स्थिति है। शिरोपरि जलाशय में 113 के सापेक्ष मात्र 82 पर कार्य प्रारम्भ किया गया है। 31 ऐसे स्थल हैं जिनपर 15 माह बाद तक कार्य ही प्रारम्भ नहीं किया गया है। पाइप लाईन के वितरण में 1743 किमी0 के सापेक्ष 1243 किमी0 पाईप लाईन का वितरण किया गया है। 44056 एफएचटीसी के सापेक्ष 20865 एफएचटीसी(गृह संयोजन) पूर्ण की गयी है। नियत अवधि में कार्य को पूर्ण करने के लिए संसाधन व मैनपावर को बढ़ाये जाने की आवश्यकता है। बैठक में उपस्थित संस्था के प्रतिनिधि को संसाधन तथा मैनपावर बढ़ाये जाने के निर्देश दिये गये।

5– जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अन्तर्गत निर्माणाधीन परियोजनाओं में निर्माण मानकों की नियमित जॉच/परीक्षण करने वाली थर्ड पार्टी मेसर्स मेधज टेक्नो कान्सेप्ट प्रा0लि0 के बैठक में उपस्थित प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि बार–बार आपत्ति किये जाने के बावजूद भी संस्थाओं द्वारा कम्प्लायन्स रिपोर्ट उपलब्ध नही करायी जा रही है। मेसर्स एल0सी0 द्वारा कुल 2985 आपत्तियों के सापेक्ष मात्र 1152 कम्प्लायन्स रिपोर्ट उपलब्ध करायी गयी है, मेसर्स के.एल.एस.आर ने 458 आपत्तियों के सापेक्ष 109 कम्प्लायन्स रिपोर्ट प्रेषित किया है। मेसर्स जी.ए.विश्वनाथ द्वारा 1423 आपत्तियों के सापेक्ष मात्र 737 कम्प्लायन्स रिपोर्ट प्रेषित की गयी है। थर्ड पार्टी (टीपीआई) द्वारा उठायी गयी आपत्तियों के समुचित निस्तारण हेतु संस्थाओं को निर्देश दिये गये तथा अधिशासी अभियन्ता को इस सम्बन्ध में नियमित पर्यवेक्षण किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

Scanned with OKEN Scanner

6– जिला समन्वयक, डीपीएमयू द्वारा अवगत कराया गया कि जल जीवन मिशन में हर घर जल से सम्बन्धित जन जागरूकता एवं स्वच्छता तथा जल जनित बीमारियों के प्रति आमजन को जागरूक किये जाने हेतु जनपद में कुल 04 आईएसए संस्थाएं सूचीबद्ध हैं। (01) समाज कल्याण ग्रामोद्योग संस्थान–संस्था दिनांक 12.07.2021 से कार्य कर रही है, संस्था को कुल 05 क्लस्टर आवंटित किये गये हैं। (02) अभिनव बाल एवं ग्रामोत्थान समिति–संस्था दिनांक 12.07.2021 से कार्य कर रही है, संस्था को 03 कलस्टर आवंटित है, जिसमें तीसरा कलस्टर मात्र 15 गांव का आवंटित है। (03) जन कल्याण समिति–संस्था द्वारा दिनांक 14.12.2022 से कार्य प्रारम्भ किया गया है। इस संस्था को 04 कलस्टर आवंटित है। (04) सोशल रिसर्च इस्टीट्यूट– संस्था द्वारा दिनांक 08.02.2023 से कार्य प्रारम्भ किया गया है। इस संस्था को 03 कलस्टर आवंटित है। प्रत्येक कलस्टर में (I) प्लानिंग एवं मोबिलाइजेशन फेज (03 माह), (II) इम्पलीमेन्टेशन फेज (06 माह), (III) पोस्ट इम्पलीमेन्टेशन फेज (03 माह), 03 चरणों में कार्य करने का प्राविधान है। यह भी अवगत कराया गया कि तृतीय चरण का कार्य परियोजना के पूर्ण होने के पश्चात प्रारम्भ करने का प्राविधान है, इस प्रकार तृतीय फेज की गतिविधियां पस्योजना के पूर्ण होने के पश्चात प्रारम्भ की जायेगी। दिनांक 31.01.2024 तक चारों आईएसए संस्थाओं की कलस्टरवार व फेजवार प्रगति निम्नवत् है।

क्र0सं0	सस्था का नाम	कलस्टर व फेज	प्रगति का प्रतिशत
1	समाज कल्याण ग्रामोद्योग संस्थान	कलस्टर प्रथम फेज–I	96%
		कलस्टर प्रथम फेज–II	93%
		कलस्टर द्वितीय फेज–I	96%
		कलस्टर द्वितीय फेज–II	93%
		कलस्टर तृतीय फेज–I	95%
		कलस्टर तृतीय फेज–II	93%
		कलस्टर चतुर्थ फेज–I	95%
		कलस्टर चतुर्थ फेज–II	84%
		कलस्टर पंचम फेज–I	95%
		कलस्टर पंचम फेज–II	85%
2	अभिनव बाल एवं ग्रामोत्थान समिति	कलस्टर प्रथम फेज–I	96%
		कलस्टर प्रथम फेज–II	92%
		कलस्टर द्वितीय फेज–I	95%
		कलस्टर द्वितीय फेज–II	93%
		कलस्टर तृतीय फेज–I	95%
		कलस्टर तृतीय फेज–II (15 ग्राम)	70%
3	जन कल्याण समिति	कलस्टर प्रथम फेज–I	96%
		कलस्टर प्रथम फेज–II	93%
		कलस्टर द्वितीय फेज–I	95%
		कलस्टर द्वितीय फेज–II	79%
		कलस्टर तृतीय फेज–I	95%
		कलस्टर तृतीय फेज–II	85%
		कलस्टर चतुर्थ फेज–I	95%
		कलस्टर चतुर्थ फेज–II	85%

Scanned with OKEN Scanner

4	सोशल रिसर्च इस्टीट्यूट	कलस्टर प्रथम फेज–I	96%
		कलस्टर प्रथम फेज–II	83%
		कलस्टर द्वितीय फेज–I	91%
		कलस्टर द्वितीय फेज–II	32%
		कलस्टर तृतीय फेज–I	92%
		कलस्टर तृतीय फेज–II	32%

सभी आईएसए संस्थाओं को प्रत्येक ग्राम, प्रत्येक बस्ती तथा प्रत्येक घर को जल जीवन मिशन के प्रति जागरूक किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

उपरोक्तानुसार बैठक का कार्यवृत्त तैयार कर महोदय के अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है। सादर अनुरोध है कि कृपया बैठक कार्यवृत्त अनुमोदन करने का कष्ट करें।

अधिशासी अभियन्ता
खण्ड कार्यालय
उ०प्र० जल निगम (ग्रामीण),
मऊ।

8 Feb को CDO का चार्ज DDO साहब के पास था। पहले इनसे हस्ताक्षर करा कर लायो

15/02/24

मुख्य विकास अधिकारी
मऊ

16/2/24
DDO

16/2/24

जिलाधिकारी
मऊ